The House reassembled at twelve of the clock,

[The Deputy Chairman in the chair]

श्री जर्नादन यादव (बिहार): मैडम, बिहार के चारा घोटाले में दोषी कोई भी व्यक्ति केन्द्रीय सरकार में मंत्री बना नहीं रह सकता है ....**(व्यवधान)**

उपसभापति: बैठ जाइए, यादव जी, बैठ जाइए...**(व्यवधान)**

श्री जर्नादन यादव: यह सरकार उस मंत्री को बर्खास्त करे तभी बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ...**(व्यवधान)**

उपसभापति: आप लोग बैठ जाइए, यादव जी, बैठ जाइए ...**(व्यवधान)** अब काम करेंगे, बैठिए ...**(व्यवधान)**... भंडारी जी, बैठ जाइए। हाऊस का बहुत टाईम निकल गया है ...**(व्यवधान)**

We cannot waste any more time. *(Interruptions)*

आप लोग क्यों खड़े हो रहे हैं? बैठ जाइए ...**(व्यवधान)** सब लोग कहना मानकर बैठ रहे हैं, यादव जी, आप भी बैठ जाइए ...**(व्यवधान)** देखिए, आज क्वश्चिन ऑवर नहीं हुआ ...**(व्यवधान)**

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): मैडम, रूलिंग पार्टी ने क्वश्चिन ऑवर नहीं होने दिया ...**(व्यवधान)**

उपसभापति: आप लोग एक मिनट बैठिए ...**(व्यवधान)**

We have not done any business so far. Even the Question Hour was not taken up. There is important business before us. You want to discuss North-east. If we have no time left, how can we discuss it? We have not much time left. There are only three days left.

आज नार्थ-ईस्ट पर डिस्कशन है, यह देश के हित में है। दोनों साईड्ज़ की बातें रजिस्टर हो गई हैं, अब काम करेंगे ...**(व्यवधान)**

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा: मैडम, यह क्वश्चिन ऑवर रूलिंग पार्टी ने नहीं चलने दिया। यह कभी हिस्ट्री में हुआ है ...**(व्यवधान)**

उपसभापति: वह तो सब देख रहे हैं ...**(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Enough is enough, please sit down. ..*(Interruptions)*..कमला जी, आप बैठिए, बैठ जाइए।...**(व्यवधान)** बस बहुत हो गया। ...**(व्यवधान)**

STATEMENT BY MINISTER

Correcting the reply given with Rajya Sabha on 7th May, 1977 to unstarred question 3414 regading Psychiatric Disorders in Delhi Police Personnel

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI MOHAMMAD MAQBOOL DAR): Madam, I beg to lay on the Table a Statement (in English and Hindi) correcting the reply given in the Rajya Sabha on the 7th May, 1997 to Unstarred Question 3414 regarding Psychiatric disorders in Delhi Police Personnel. (Placed in Library, *See* No.LT 2142/97)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश): मैडम्, इस सवाल को किस तरीके से सही किया है उसका कुछ

तो हमें पता लगना चाहिए, क्योंकि हमारा सप्लीमेंट्री का जो अधिकार था वह भी चला गया।

उपसभापति: नहीं, यह अन-स्टार्ड था।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: स्टार्ड, अन-स्टार्ड पर मैडम्, ऐसा है कि उसके आधार पर हम लोग खुद गलती कर सकते हैं, अखबारों में भी उसी तरह के गलत उत्तर पहुंच जाते हैं। तो कुछ होम वर्क करके आना चाहिए।...**(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): मैडम्, इस पर सप्लीमेंट्री करने देना चाहिए।

उपसभापति: अभी नहीं करेंगे।

PAPERS LAID ON THE TABLE

Report and accounts (1995-96) of the Mineral Exploration Corporation Ltd. Nagpur and related papers

THE MINISTER OF STEEL AND THE MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA) Madam I lay on the Table—

I. A copy each (in English and Hindi) of the following papers, under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956:—

(i) Twenty-fourth Annual Report and Accounts of the Mineral Exploration Corporation Limited, Nagpur for the year 1995-96, together with the Auditors' Report on the Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General of India thereon.

(ii) Review by Government on the Working of the above Corporation.

II. Statement (in English and Hindi) giving reasons for the delay in laying the papers mentioneed at (I) above. (Placed in Library. *See* No. LT-1898/97)

MOU between the Govt. of India and Telecommunications Consultants India Ltd. for the year 1997-98.

संचार मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा): महोदया, मैं 1997-98 के वर्ष के लिए भारत सरकार (दूरसंचार विभाग) और टेलीकम्युनिकेशन्स कन्सल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड के बीच सम्पन्न सहमति ज्ञापन की एक प्रति (अंग्रेजी तथा हिन्दी में) सभा पटल पर रखता हूं। (Placed in Library, *See* No. LT-2052/97)

Report and Accounts (1995-96) of Rashtriya Pariyojana Nirman Nigam Ltd. New Delhi and Related Papers

जल संसाधन मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): महोदया, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूं।

I. कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 क की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (अंग्रेजी तथा हिन्दी में) सभा पटल पर रखेंगे:—

(i) 1995-96 के वर्ष के लिए राष्ट्रीय परियोजना निर्माण निगम लिमिटेड, नई दिल्ली का उनतालीसवां वार्षिक प्रतिवेदन और लेखे, लेखाओं पर लेखापरीक्षकों के प्रतिवेदन और उस पर भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक की टिप्पणियों सहित।

(ii) उपर्युक्त निगम के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा।

II. ऊपर (I) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलम्ब को दर्शाने वाला विवरण (अंग्रेजी तथा हिन्दी में)। (Placed in Library. *See* No. LT-1954/97).

I. Report and Accounts (1995-96) of the Central Cottage Industries Corporation Ltd. New Delhi and related papers.

II. Reports and Accounts (1995-96) Handicrafts and Handlooms Export Corp. of India Ltd., New Delhi and related papers.

III. Report and Accounts (1995-95) of the Ninth Eastern Handicrafts and Handloom Development Corporation Ltd. Shillong and related papers.